



SM – 152

**IV Semester B.A. Examination, May/June 2018
(CBCS) (2016 – 17 & Onwards) (F + R)
HINDI LANGUAGE – IV
Hindi Upanyas Film Review and Translation**



Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

- 1) सुषमा को लेने नील किस रेल्वे स्टेशन गया ?
- 2) सुषमा कालेज के किस एसोसिएशन की प्रेसिडेंट थी ?
- 3) सुषमा की साड़ी किसने कढ़वाई थी ?
- 4) होस्टल के चौकीदार का क्या नाम था ?
- 5) “पचपन खंभे लाल दिवारें” उपन्यास के रचनाकार का नाम लिखिए।
- 6) प्रिंसिपल सुषमा को क्या बना ना चाहती थी ?
- 7) मिस शास्त्री कौन - सा विषय पढ़ाती थी ?
- 8) मिल फर्म की ओर से कहाँ जा रहा था ?
- 9) सुषमा का परिवार कहाँ रहता था ?
- 10) मीनाक्षी की शादी किससे तय हुई ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(2×7=14)**

- 1) “अब तो उसके चारों ओर दीवारें खिंच गई थी, दायित्व की कुंठाओं की, अपने पद की गरिमा और परिवार की।
- 2) “तुम एक जिम्मेदारी के पद पर हो, तुम्हे अपनी छात्राओं के सम्मुख एक उदाहरण प्रस्तुत करना है।”
- 3) “मैं नहीं चाहतीं कि जो कुछ मैंने देखा और सहा, वही मेरे भाई-बहनों के सामने आए।”



III. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :

(1×16=16)

- 1) “पचपन खंभे लाल दिवारे” उपन्यास का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- 2) “पचपन खंभे लाल दिवारे” उपन्यास के अधार पर नील का “चरित्र - चित्रण” कीजिए।

IV. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(2×5=10)

- 1) सुषमा
- 2) मीनाक्षी
- 3) निरूपमा

V. 1) फ़िल्म “भाग मिल्का भाग” के पात्रों के अभिनय कर समीक्षा कीजिए।

(1×10=10)

अथवा

- 2) फ़िल्म “थ्री इडियट” सिनेमा की पट कथा की समीक्षा कीजिए।

VI. हिन्दी में अनुवद कीजिए। :

10

At the time of being hanged to death Veerapandy Kattabomman Said – “I am not afraid of death; I have no repentance also. I am sacrificing my life for my country”, Country is everything for me. It is my sacred duty so sacrifice my life for the country, but I am pained at one point. I am away from my motherland. If I would be in my place protecting the fort and if I had to die protecting the fort I would have left this world happily, but I didn’t help my motherland at the time of difficulty and I am away from it. For that now I am repenting.”

முரண்டங்கள் பலியானுவ ஸ்மூயத்தில் வீர பாங்கு கெட்டுமோம்புநா கேள்கினு - “நங்க ஸாவிந் சுயவில்ல; பஞ்சாதாபவு ஜில்ல; நானு நன்ன தேஷ்காகு ஸாயுத்தித்தேந்; தேஷ்வே நன்ன ஸ்வஷ்ட; அதகாகு நா பாஜ்வன்னு பலிசோடுவுடு நன்ன பவித்ர கத்தவு, அதர் சஂதே சஂது விஷயத்தில் நங்க முவிவி஦, நானு நன்ன தாய்யாடன்னு பிட்டு கோரிக்கேந். நானு நன்ன டாரின்தில்கூடு நன்ன கோட்டையன்னு காபாடுக்கு கொன்யவர்களு காடாடுக்கோடு ஸ்துத்தர் பங் ஸ்தோஷ்கிடிங் கு லோக்வன்னு பிட்டு மோர்டு கோங்குத்தித்தே. அதர் கஷ்டாலத்தில் நன்ன தேஷ்கே ஸ்காய்மாட்டு சஂதுபிட்டு கூக் அதகாகு பாய்த்து மாடுக்கோல்ஜுத்தித்தேந்.